[Hanuman Ji Ki Aarti Trimurtidham Lyrics in Hindi English]

Hanuman Ji Ki Aarti Trimurtidham Lyrics in Hindi

जय हनुमत बाबा,
जय जय हनुमत बाबा ।
रामदूत बलवन्ता,
रामदूत बलवन्ता,
सब जन मन भावा ।
जय जय हनुमत बाबा ।

अंजनी गर्भ सम्भूता,
पवन वेगधारी,
बाबा पवन वेगधारी ।
लंकिनी गर्व निहन्ता,
लंकिनी गर्व निहन्ता,
अनुपम बलधारी ।
जय जय हनुमत बाबा ।

बालापन में बाबा अचरज बहु कीन्हों,
बाबा अचरज बहु कीन्हों ।
रवि को मुख में धारयो,
रवि को मुख में धारयो,
राहू त्रास दीन्हों ।
जय जय हनुमत बाबा ।

सीता की सुधि लाये,
लंका दहन कियो,
बाबा लंका दहन कियो ।
बाग अशोक उजारि,
बाग अशोक उजारि,
अक्षय मार दियो ।
जय जय हनुमत बाबा ।

द्रोण सो गिरि उपारयो,
लखन को प्राण दियो,
बाबा लखन को प्राण दियो ।
अहिरावण संहारा,
अहिरावण संहारा,
सब जन तार दियो ।
जय जय हनुमत बाबा ।

संकट हरण कृपामय,
दयामय सुखकारी,
बाबा दयामय सुखकारी ।
सर्व सुखन के दाता,
सर्व सुखन के दाता,

जय जय केहरि हरि ।
जय जय हनुमत बाबा ।

सब द्वारों से लौटा तेरी शरण परयो,
बाबा तेरी शरण परयो ।
संकट मेरा मिटाओ,
संकट मेरा मिटाओ,
विघ्न सकल हरयो ।
जय जय हनुमत बाबा ।

भक्ति भाव से बाबा, मन मेरा सिक्त रहे,
बाबा मन मेरा सिक्त रहे ।
एक हो शरण तिहारी,
एक हो शरण तिहारी,
विषयन में न चित रहे ।
जय जय हनुमत बाबा ।

जय हनुमत बाबा,
जय जय हनुमत बाबा ।
रामदूत बलवन्ता,
रामदूत बलवन्ता,
सब जन मन भावा ।
जय जय हनुमत बाबा ।

दोहा
पवन तनय संकट हरन,
मंगल मूरति रूप ।
राम लखन सीता सहित,
ह्रदय बसेहुँ सुर भूप ॥

Hanuman Ji Ki Aarti Trimurtidham Lyrics in English

Jai Hanumat Baba,
Jai Jai Hanumat Baba.
Ramdoot Balwanta,
Ramdoot Balwanta,
Sab jan man bhawa.
Jai Jai Hanumat Baba.

Anjani garbh sambhoota,
Pawan vegdhari,
Baba Pawan vegdhari.
Lankini garv nihanta,
Lankini garv nihanta,
Anupam baldhari.
Jai Jai Hanumat Baba.

Baalapan mein Baba acharaj bahu keenho,
Baba acharaj bahu keenho.
Ravi ko mukh mein dhaaryo,
Ravi ko mukh mein dhaaryo,

Rahu traas deenho.
Jai Jai Hanumat Baba.

Sita ki sudhi laaye,
Lanka dhan kio,
Baba Lanka dhan kio.
Bag Ashok ujaari,
Bag Ashok ujaari,
Akshay maar diyo.
Jai Jai Hanumat Baba.

Dron so giri upaarayo,
Lakhan ko praan diyo,
Baba Lakhan ko praan diyo.
Ahiravan sanhaara,
Ahiravan sanhaara,
Sab jan taar diyo.
Jai Jai Hanumat Baba.

Sankat haran kripamay,
Dayamay sukhkaari,
Baba dayamay sukhkaari.
Sarv sukhon ke daata,
Sarv sukhon ke daata,
Jai Jai Kehri Hari.
Jai Jai Hanumat Baba.

Sab dwaaron se laut ke teri sharan parayo,
Baba teri sharan parayo.
Sankat mera mitaao,
Sankat mera mitaao,
Vighn sakal harayo.
Jai Jai Hanumat Baba.

Bhakti bhav se Baba, man mera sikt rahe,
Baba man mera sikt rahe.
Ek ho sharan tumaari,
Ek ho sharan tumaari,
Vishayon mein na chit rahe.
Jai Jai Hanumat Baba.

Jai Hanumat Baba,
Jai Jai Hanumat Baba.
Ramdoot Balwanta,
Ramdoot Balwanta,
Sab jan man bhawa.
Jai Jai Hanumat Baba.

Doha
Pawan tanay sankat haran,
Mangal moorti roop.
Ram Lakhan Sita sahit,

Hriday basehu sur bhup.

About Hanuman Ji Ki Aarti Trimurtidham in English

Hanuman Ji Ki Aarti at Trimurtidham is a deeply spiritual and powerful prayer dedicated to Lord Hanuman, the embodiment of strength, devotion, and courage. This sacred aarti is performed with great devotion at Trimurtidham, a revered spiritual center known for its peaceful ambiance and divine energy.

Lord Hanuman, the devoted servant of Lord Ram, is a symbol of unwavering faith and loyalty. The aarti seeks to invoke his blessings for strength, protection, and the removal of obstacles in life. It is believed that reciting this aarti with sincerity can help devotees overcome difficulties, seek guidance, and find inner peace. The temple, with its serene environment, serves as an ideal place for the aarti, which is sung in praise of Hanuman Ji's divine attributes, such as his immense power, intelligence, and dedication to Lord Ram.

At Trimurtidham, the aarti is performed regularly, attracting devotees from all walks of life who come to experience the spiritual upliftment it offers. The melodic chanting of the aarti resonates throughout the temple, creating a powerful atmosphere of devotion and reverence. Devotees leave with a sense of peace and renewed faith, feeling connected to Lord Hanuman's divine presence.

About Hanuman Ji Ki Aarti Trimurtidham in Hindi

हनुमान जी की आरती त्रिमूर्ति धाम में एक अत्यंत भक्तिपूर्ण और शक्ति से भरी प्रार्थना है, जो भगवान हनुमान को समर्पित है। यह आरती त्रिमूर्ति धाम में श्रद्धा और आस्था के साथ प्रस्तुत की जाती है, जो एक पवित्र आध्यात्मिक केंद्र है और जहां शांति और दिव्य ऊर्जा का वास है।

भगवान हनुमान, जो श्रीराम के परम भक्त और सबसे बड़े सेवक माने जाते हैं, शक्ति, भक्ति और साहस के प्रतीक हैं। यह आरती भगवान हनुमान से शक्ति, सुरक्षा और जीवन के संकटों को दूर करने की प्रार्थना करती है। कहा जाता है कि इस आरती को सच्चे मन से पढ़ने या सुनने से भक्त अपने जीवन की कठिनाइयों से उबर सकते हैं, मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं और आंतरिक शांति पा सकते हैं।

त्रिमूर्ति धाम में नियमित रूप से यह आरती होती है, जो सभी भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती है। मंदिर के शांतिपूर्ण वातावरण में हनुमान जी की आरती का गायन भक्तों के मन को एक दिव्य शांति और आस्था से भर देता है। इस आरती के माध्यम से भक्त भगवान हनुमान की कृपा प्राप्त करते हैं और उनके दिव्य आशीर्वाद से जुड़ते हैं।